अध्याय – 03 | जयशंकर प्रसाद

QUIZ-01

1. **कवि अपने जीवन को किस प्रकार समझता है?**
   A. जिसकी कथा सुनाने योग्य नहीं है
   B. जिसकी कथा सुनाने योग्य है
   C. दोनों (A) और (B)
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कवि अपने जीवन को ऐसा मानते हैं जिसकी कथा सुनाने योग्य नहीं है।

2. **'मधुप' शब्द का अर्थ क्या है?**
   A. लड़की B. मैदान
   C. भौंरा D. लड़का (C)

व्याख्या : कविता में 'मधुप' शब्द का प्रयोग भौंरे के लिए हुआ है।

3. **कवि ने 'गागर रीती' किसके लिए कहा है?**
   A. अपने जीवन की रिक्तता
   B. खाली घड़े को
   C. अपने अभावपूर्ण जीवन को
   D. अपनी अज्ञानता को (C)

व्याख्या : कवि ने गागर को जीवन का प्रतीक माना और उसकी रिक्तता को अपने अभावपूर्ण जीवन से जोड़ा।

4. **'अपना व्यंग्य-मचलन उपहास कौन उड़वाते हैं?'**
   A. असंख्य जीवन जो इतिहास का अंग हैं
   B. साधारण व्यक्ति
   C. दोनों (A) और (B)
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : कवि कहता है कि अनगिनत जीवन अपनी व्यर्थता से उपहास का कारण बनते हैं।

5. **कवि ने अपने जीवन के किस पक्ष का उल्लेख किया है?**
   A. सुखद पक्ष B. दुखद पक्ष
   C. विपन्नता D. वृद्धावस्था (C)

व्याख्या : आत्मकथ्य में कवि ने अपने जीवन के दुखद पक्ष पर प्रकाश डाला है।

6. **कवि अपने जीवन की व्यथा क्यों प्रकट करता है?**
   A. ताकि लोग उसका उपहास करें
   B. ताकि लोग दुख में सुख पाएँ
   C. ताकि लोग उसकी महानता समझें
   D. ताकि लोग उसकी निंदा करें (C)

व्याख्या : कवि कहता है कि उसकी व्यथा सुनकर लोग सुख का अनुभव करेंगे।

7. **'अनंत-नीलिमा' का प्रयोग किसके लिए हुआ है?**
   A. गंगा B. आकाश
   C. समुद्र D. धरती (C)

व्याख्या : 'अनंत-नीलिमा' से आशय विशाल नीले आकाश से है।

8. **कवि ने किसे अपना जीवन रूपी घड़ा खाली करने वाला बताया है?**
   A. दुख
   B. समय
   C. दूसरों को दोष देने वाले
   D. स्वयं को महान समझने वाले (C)

व्याख्या : कवि कहता है कि मेरा रस लेकर जो स्वयं को भरते हैं, वे ही मेरे जीवन घड़े को खाली करने वाले हैं।

9. **कवि की प्रमुख गद्य कृतियों में कौन-सी रचना सम्मिलित नहीं है?**
   A. कंकाल B. इरावती
   C. आकाशदीप D. चित्राधार (C)

व्याख्या : 'चित्राधार' काव्यकृति है, जबकि शेष गद्य रचनाएँ हैं।

10. **जयशंकर प्रसाद की प्रसिद्ध कृति 'कामायनी' किस विधा की रचना है?**
    A. उपन्यास B. नाटक
    C. महाकाव्य D. कहानी संग्रह (C)

व्याख्या : 'कामायनी' प्रसाद जी की सर्वाधिक प्रसिद्ध महाकाव्य रचना है।

मिशन ज्ञान जब चाहें जहाँ चाहें, जैसे चाहें। 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App